DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR

B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-2 ,UNIT-8,
CAUSES OF POPULATION GROWTH
LECTURE-49

जनसंख्या बढ़ोतरी के कारण

(causes of population growth)

जनसंख्या में बढ़ोतरी के अनेक कारण बतलाये गये है जिनमे निम्नांकित प्रधान है |

(1) **जन्म दर तथा मृत्यु दर में अंतर (gap between birth rate and death rate)**
(2) **कम आयु में शादी (marriage of lower age)**
(3) **परिवार नियोजन के प्रति धार्मिक एवं परम्परावादी विचार (traditional and religions thoughts regarding family planning)**
(4) **घोर निरक्षरता (High illiteracy)**
(5) **गरीबी (poverty)**

(6) अपर्याप्त प्रेरणा (Inadequate motivation)

(7) विभिन्न कारक (Miscellaneous cause)

इन कारणों का वर्णन निम्नांकित है –

(1) **जन्म दर तथा मृत्यु दर में अंतर**- पिछले कई दशकों में भारत के जन्म दर तथा मृत्यु दर में कमी आयी है | परन्तु जन्म दर से मृत्यु दर की तुलना में कम गिरावट आयी है |इसका परिणाम यह हुआ की जन्म दर तथा मृत्यु दर में काफी अंतर हुआ है तथा जनसंख्या में उत्तम बढ़त हुई है |1961-71में जन्म दर 41.2 प्रति हज़ार से घटकर 1971-81 में 37.2 प्रति हजार हो गयी तथा 1991 में इस जन्म दर में और भी कमी आयी क्योंकि इसमें यह 29.9 प्रति हजार थी |1961-71 में मृत्यु दर 19.2 प्रति हज़ार से कम होकर 1971-80 के दशक में 15.0 प्रति हज़ार हो गयी |1988 में 11.0 की तुलना में मृत्यु दर 1991 में 9.2 प्रति हज़ार हो गयी |1991-1996 के दौरान जन्म दर में लगभग 27.5 तथा मृत्यु दर में 8-7 गिरावट हुई |2001 के जनगणना के आँकड़े के अनुसार भारत में जन्मदर प्रति हज़ार 24.8 तथा मृत्यु दर प्रति हज़ार 8.0 है |जन्म दर तथा मृत्यु दर में गिरावट होने के बावजूद इन दोनों में अंतर अधिक है

तथा जन्म दर ऊँचा है |इस कारण जनसंख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है |

(2) **कम आयु में शादी**---- भारत में जनसंख्या की बढ़त का एक कारण महिलाओं तथा पुरुषों द्वारा कम उम्र में शादी करना है |1931 के जनगणना के अनुसार भारत वर्ष में 34 प्रतिशत शादी दस वर्ष की आयु के पहले तथा 72 प्रतिशत शादी 15 वर्ष के आयु के पहले हुई | कम आयु में शादी होने से जनन अवधि शुरुआत होते ही शिशुओ का जन्म प्रारंभ हो जाता है |यह प्रक्रम जनन अवधि की समाप्ति तक जारी रहती है |फलस्वरूप जनसंख्या में काफी बढ़त हो जाती है |सौभाग्य की बात यह है की शादी की आयु में धीरे-धीरे बढ़त हुई है |पुरुषों की विवाह की औसत आयु 1971 में 22.2, 1981 में 22.6 वर्ष तथा 1994 में 23.1 आँका गया है जबकि महिलाओं की औसत आयु 1971 में 17.2,1981 में 17.6 तथा 1994 में 18.1 वर्ष आँका गया है |इससे जनसंख्या की बढ़त में थोड़ी कमी की उम्मीद अवश्य जगी है |

(3) **परिवार नियोजन के प्रति धार्मिक एवं परम्परावादी विचार** --- भारतियों में विशेष कर भारतीय महिलाओं में

पारिवारिक नियोजन के प्रति वैज्ञानिक एवं उत्तम मनोवृति नहीं होती है | भारतीय महिलाएं अधिक धार्मिक एवं रुढ़िवादी विचार की होती है जो परिवार नियोजन के साधनों को भगवान् की इच्छा के विरुद्ध तथा एक तरह का पाप समझती है |कुछ ऐसी भी स्त्रियाँ है जो यह समझती है की स्त्री जीवन की समस्या अधिक से अधिक –से अधिक बच्चों के जन्म देने में है |इस तरह की मानसिकता से स्पष्टतः जनसंख्या में उत्तम बढ़त हो जाती है |

(4) **घोर निरक्षरता**– निरक्षरता के कारण भी जनसंख्या में परोक्ष रूप से बढ़ोतरी होती है |निरक्षर या कम पढ़े - लिखे व्यक्ति परिवार नियोजन के महत्व को नहीं समझ पाते है क्योंकी इनमे नए विचारों को ग्रहण करने तथा तार्किक चिंतन करने की क्षमता नहीं होती है |इनमे अतार्किक ,रुढ़िवादी तथा धार्मिक विचारों की प्रधानता होती है |परिणाम स्वरूप ,ऐसे महिलाओं में जन्म दर अधिक होता है |इस तथ्य का खुलासा राज्यों के आंकड़ो से हो जाती है |1991 में केरल में कुल साक्षरता 90.59% थी और स्त्रियों की साक्षरता दर बहुत कम अर्थात 20.84% थी तो वह जन्म दर 32.64% थी

|स्पष्ट हो जाता है की बच्चो का जन्म दर साक्षरता दर से संबंधित होता है |साक्षरता कम होने में जन्म दर में बढ़ोतरी होती है जिसे अंत में जनसंख्या में बढ़त हो जाती है |

(5) **गरीबी**–जनसंख्या में बढ़ोतरी का कारण गरीबी भी है |सामान्यतः यह देखा गया है कि गरीब परिवार में बच्चों की संख्या अधिक होती है |गरीब माता-पिता की अवधारणा यह होती है की जब बच्चे अधिक होंगे तो उनकी आमदनी अधिक होगी क्योंकि प्रत्येक बच्चा कुछ-न-कुछ धन अर्जित करेगा |इससे उनका भरण पोषण ठीक ढंग से हो पायेगा |इससे भी जनसंख्या में धीरे-धीरे बढ़त होती है |

(6) **अपर्याप्त प्रेरणा**–औसत भारतीय परिवार में परिवार नियोजन के साधनों के प्रति उदासीनता तथा परिवार को सिमित रखने की अभिप्रेरणा की कमी पायी जाती है |इसके कई कारण है जिनमे साक्षरता का अभाव ,अपर्याप्त ज्ञान ,धार्मिक एवं रुढ़िवादी विचार आदि प्रमुख है |अपर्याप्त प्रेरणा के होने पर वे परिवार नियोजन साधनों का भरपूर फायदा नहीं उठा पाते है जिनसे

जनसंख्या के नियंत्रण पर कोई ख़ास अनुकूल प्रभाव नहीं पड़ता है |

(7) **विभिन्न कारण**–जनसंख्या में बढ़ोतरी के अनेक कारण भी है जो निम्नांकित है –

(i) परिवार नियोजन का सबसे सरल ,सस्ती एवं शीध्र गामी पद्धति अर्थात बैसक्टामी तथा ट्यूबक्टमी में क्षति,कमजोरी तथा शक्ति एवं ताकत में कमी आती है जो सर्वथा गलत है |

(ii) कुछ परिवारों में ख़ास-कर संयुक्त परिवार एवं युवा दम्पत्तियों में बच्चों को पालन की जिम्मेवारी का अभाव|

(iii) मनोरंजन के साधनों में कमी |

स्पष्ट हुआ की जनसंख्या बढ़ोतरी के कई कारण है |